

# डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, चर्च और अंतिम बातें, सत्र 11, अंतिम बातें परिचय, दो युग, परमेश्वर का राज्य, पहले से ही और अभी तक नहीं

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन चर्च के सिद्धांतों और अंतिम बातों पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 11 है, अंतिम बातों का परिचय, दो युग, परमेश्वर का राज्य, पहले से ही और अभी तक नहीं।

अब तक, हमारे अध्ययन ने चर्च के सिद्धांत से निपटा है। अब हम अंतिम बातों के विषय पर आते हैं और प्रार्थना करते हैं।

दयालु पिता, आपके वचन के लिए धन्यवाद। इसकी शिक्षाओं के लिए धन्यवाद। धन्यवाद कि यह आने वाली चीजों के बारे में सिखाता है। हमें सावधान और बाइबिल के अनुसार रहने और मुख्य बातों पर ध्यान देने और गौण बातों पर ध्यान देने में मदद करें। हमें अपनी सच्चाई में ले चलो। हमें आशीर्वाद दें; हम यीशु के नाम में प्रार्थना करते हैं। आमीन।

अंतिम बातों का हमारा अवलोकन, सबसे पहले, एक परिचय है जिसमें हम दो युगों, परमेश्वर के राज्य और मेरे दिमाग में युगांतशास्त्र के अध्ययन के लिए सबसे महत्वपूर्ण एकल सिद्धांत, पहले से ही और अभी तक नहीं, पर चर्चा करेंगे।

फिर हम मृत्यु और मध्यवर्ती अवस्था, मसीह का दूसरा आगमन, समय के संकेत, प्रकाशितवाक्य 20 की सहस्राब्दी, शरीर का पुनरुत्थान और फिर शाश्वत अवस्था का अध्ययन करेंगे। खैर, अंतिम निर्णय और फिर शाश्वत अवस्था, जिसका अर्थ है धर्मी लोगों के लिए नई पृथ्वी पर पुनर्जीवित अस्तित्व और अधर्मियों के लिए शाश्वत नरक। परिचय, दो युग।

नया नियम वर्तमान युग और आने वाले युग के बीच अंतर बताता है। मत्ती 12:32. पवित्र आत्मा के विरुद्ध ईशनिंदा वाले अंश में, यीशु इस तथ्य पर जोर दे रहे हैं कि जो लोग आत्मा की निंदा करते हैं, उन्हें इस संदर्भ में समझना चाहिए, बेशक, उन्हें कभी भी माफ़ नहीं किया जाएगा।

यहाँ बताया गया है कि वह इसे कैसे कहता है। पद 31: इसलिए, मैं तुमसे कहता हूँ, हर पाप और निन्दा लोगों को क्षमा कर दी जाएगी, लेकिन आत्मा के खिलाफ निन्दा क्षमा नहीं की जाएगी। और जो कोई भी मनुष्य के पुत्र के खिलाफ एक शब्द बोलता है उसे क्षमा कर दिया जाएगा, लेकिन जो कोई भी पवित्र आत्मा के खिलाफ बोलता है उसे क्षमा नहीं किया जाएगा, न तो इस युग में और न ही आने वाले युग में।

नया नियम इस युग और उस युग या वर्तमान युग और आने वाले युग के बीच अंतर करता है। यहाँ, कल्पना मिश्रित है। यह इस युग और आने वाले युग के बीच का अंतर है।

इसका मतलब यह है कि उन्हें कभी भी माफ़ नहीं किया जाएगा। कुछ लोगों ने इस बात से गलत निष्कर्ष निकाला है कि इस बात की संभावना है कि आने वाले युग में आपको इस पाप के लिए नहीं बल्कि अन्य पापों के लिए माफ़ किया जा सकता है। यीशु के शब्दों का यह बिल्कुल भी इरादा नहीं है।

लेकिन अभी मेरा पूरा मुद्दा इस युग और आने वाले युग के बीच अंतर करना है। लूका 20:34, और 35 में भी यही तुलना की गई है। इसलिए, यह मत्ती 12 में एक भाषण का पात्र था।

लूका 20 में ऐसा नहीं है। लूका 20:30, लूका 20:34, 35. ओह, सद्दूकी यीशु को फँसाने की कोशिश कर रहे हैं।

एक महिला के सात पति थे। वे सभी मर गए। वे मृतकों के पुनरुत्थान में विश्वास नहीं करते। तो, पुनरुत्थान में उसका पति कौन होगा? उन सभी सातों को यह पसंद है। यीशु ने कहा, इस युग के पुत्र शब्दावली पर ध्यान दें, विवाह करें, और विवाह में दिए जाएँ। लेकिन जो लोग उस युग को प्राप्त करने और मृतकों में से पुनरुत्थान के योग्य माने जाते हैं, वे न तो विवाह करते हैं और न ही विवाह में दिए जाते हैं क्योंकि वे अब मर नहीं सकते क्योंकि वे स्वर्गदूतों के बराबर हैं और पुनरुत्थान के पुत्र होने के नाते परमेश्वर के पुत्र हैं।

सचमुच, वे स्वर्गदूतों की तरह हैं। और इससे मुश्किलें पैदा हुई हैं। लोग कहते हैं, ओह, जब आप मरते हैं तो आप एक स्वर्गदूत बन जाते हैं, जो कि वह नहीं कह रहा है।

वह एक खास बात की तुलना कर रहे हैं जो स्वर्गदूतों में नहीं होती। जाहिर है, उन्हें नश्वरता का दुख नहीं होता। स्वर्गदूत मरते नहीं।

लेकिन मुद्दा यह है कि यीशु इस युग और उस युग के बीच अंतर बताते हैं। विवाह इसी युग से संबंधित है।

आने वाले युग में ऐसी कोई शादी नहीं होगी। मैं ऐसे और भी अंश दिखा सकता हूँ, लेकिन इतना ही काफी है। यह युग और वह युग, वर्तमान युग और आने वाला युग, और उस शब्दावली का मिश्रण।

अब, यह युग बुराई से चिह्नित है गलातियों 1 क्योंकि यीशु ने हमें इस वर्तमान बुरे युग से बचाने के लिए अपनी जान दे दी। यह आध्यात्मिक अंधेपन से चिह्नित है। 2 कुरिन्थियों 4:4, शैतान अंधा करता है।

मुझे इसे सही से समझना होगा। दूसरा कुरिन्थियों चार, चार। इस मामले में, इस दुनिया के परमेश्वर, या आप इस युग का अनुवाद कर सकते हैं, ने अविश्वासियों के दिमागों को अंधा कर दिया है ताकि वे मसीह की महिमा के सुसमाचार के प्रकाश को न देख सकें, जो परमेश्वर की छवि है।

इस युग की विशेषता बुराई है (गलातियों 1) आध्यात्मिक अंधत्व। 2 कुरिन्थियों 4:4 और आध्यात्मिक मृत्यु। इफिसियों 2:1 और 2।

और आप अपने उन अपराधों और पापों में मरे हुए थे जिनमें आप एक बार चले थे। इस मार्ग का अनुसरण करते हुए, आप हवा की शक्ति के निशानों का अनुसरण करते हुए दुनिया या युग का अनुवाद कर सकते थे और इसी तरह। इस युग की विशेषता दुष्ट आध्यात्मिक अंधेपन और आध्यात्मिक मृत्यु है।

आने वाला युग या वह युग मृतकों के पुनरुत्थान से चिह्नित है। हमने इसे लूका 20:35 और 36 में देखा। आने वाला युग मृत्यु और पुनरुत्थान से चिह्नित है।

अनन्त जीवन। लूका 18. दो युगों की तुलना करना एक और अच्छा उदाहरण है।

वास्तव में, यह यहूदी है। सबसे पहले, यह नियम के बीच यहूदी लेखन में दिखाई देता है। दो युगों और यीशु और प्रेरितों के बीच यह अंतर उनके युग के लोग हैं, क्षमा करें, और वे इस शब्दावली को अपनाते हैं। लूका 18.

यीशु के यह कहने के बाद कि, अमीर लोगों का उद्धार पाना असंभव है। कम से कम मनुष्य के मामले में तो यह परमेश्वर के मामले में असंभव है। कुछ भी असंभव नहीं है।

तो फिर कौन बच सकता है? शिष्य 26 में जवाब देते हैं। यीशु ने कहा कि जो मनुष्य के लिए असंभव है, वह परमेश्वर के लिए संभव है। और पतरस ने कहा, देख, हम अपना घर-बार छोड़कर तेरे पीछे हो लिए हैं।

और उसने उनसे कहा, मैं तुमसे सच कहता हूँ, ऐसा कोई नहीं जिसने परमेश्वर के राज्य के लिए घर या पत्नी या भाइयों या माता-पिता या बच्चों को छोड़ दिया हो, और इस समय में कई गुना अधिक न पाए। यह इस संदर्भ में इस युग और आने वाले युग में अनन्त जीवन का पर्याय है। यह समय इस युग की बात करता है क्योंकि यहाँ आने वाले युग से इसका अंतर है।

जो लोग परमेश्वर के राज्य के लिए बलिदान करते हैं, उन्हें इस युग में, इस समय में कई गुना अधिक मिलेगा। यानी, अगर कोई अपने परिवार से भी बाहर निकल जाता है, तो उसे परमेश्वर के लोगों के बीच कई और माता-पिता और भाई-बहन और बच्चे मिलते हैं। हम यहाँ एक परिवार की तरह हैं, इस तरह की धारणा।

यह इस युग में, इस समय है, लेकिन आने वाले युग में, उन्हें अनन्त जीवन प्राप्त होगा। दूसरे शब्दों में, यदि इस युग की विशेषता बुराई, आध्यात्मिक अंधापन और मृत्यु है, तो आने वाला युग पुनरुत्थान, लूका 20:35, 36, अनन्त जीवन, लूका 18:30, और परमेश्वर के अनुग्रह के धन, इफिसियों 2:7, इफिसियों 2:7 द्वारा चिह्नित है, ताकि आने वाले युगों में, परमेश्वर मसीह यीशु में हमारे प्रति अपनी असीम दया, अपने अनुग्रह और दया के असीम धन को दिखा सके। इसलिए, यीशु ने दो युगों के बीच बहुत बड़ा अंतर किया है।

यह युग, बुराई, आध्यात्मिक अंधापन, आध्यात्मिक मृत्यु। वह युग, आने वाला युग, पुनरुत्थान, अनंत जीवन, परमेश्वर के अनुग्रह का खजाना। अब, हम बहस के मुद्दों पर आते हैं।

एक अर्थ में युगों की पराकाष्ठा पहले ही आ चुकी है। मैं इसे इस तरह से कहता हूँ। यह युग वर्तमान युग है, और इसे आने वाले युग के विरुद्ध रखा गया है।

यह युग, वह युग, वर्तमान युग, आने वाला युग। अब, यह पूरी चर्चा पुराने नियम को मानती है। यह एक पृष्ठभूमि को मानती है।

तो, अब वास्तव में, हमारे पास तीन युग हैं। पुराने नियम का समय, यह युग, मसीहा का समय, वह युग, आने वाला समय। एक अर्थ में, पुराने नियम के दृष्टिकोण से, युग या युगों की परिणति इस युग में पहले से ही पूरी हो चुकी है।

तो, यह उसकी पूर्ति है, और यह उसका अग्रदूत है। और आने वाला युग वर्तमान युग की पूर्ति है, और यदि आप चाहें तो पिछले युग की भी। 1 कुरिन्थियों 10:11.

मुझे बाइबल के सबूत पेश करने होंगे और फिर विवादों के बारे में बात करनी होगी क्योंकि विवाद तो हैं ही। और मैं आपको अपनी राय दूंगा। 1 कुरिन्थियों 10 में इस्राएलियों के पापों का विवरण है।

जाहिर है, कुछ कोरिन्थियन मानते थे कि प्रभु के भोजन ने उन्हें राक्षसों के हानिकारक प्रभावों से प्रतिरक्षा प्रदान की। वे निष्क्रिय मंदिरों में जा रहे थे या मंदिरों में वेश्याओं के पास भी जा रहे थे और महसूस कर रहे थे कि वे इन सब से मुक्त हो गए हैं क्योंकि उन्होंने प्रभु का भोजन लिया था। पॉल इस बात से बिल्कुल भी खुश नहीं है, और वह कहता है, सभी पिताओं ने मूसा में बपतिस्मा लिया था।

1 कुरिन्थियों 10:2. और उन सब ने एक ही आध्यात्मिक भोजन पिया, ठीक उसी तरह। एक ही आध्यात्मिक भोजन खाया और एक ही आध्यात्मिक पेय पिया। वह पुराने नियम की वास्तविकताओं को नए नियम के संस्कारों के चश्मे के माध्यम से देख रहा है।

और इसलिए, उनका बपतिस्मा हुआ, और उन्हें आध्यात्मिक भोजन मिला, लेकिन इससे उन्हें प्रतिरक्षा नहीं मिली। और उसने जंगल में रहने वाले पिताओं की चार खासियतें गिनाईं। मूर्तिपूजा, परमेश्वर को लुभाना, यौन अनैतिकता, और बड़बड़ाना।

लड़के, कुछ कठिन संगति के लिए बड़बड़ाना आता है, है न? वाह। तो यह विचार का प्रवाह है। उनके पास संस्कारात्मक आशीर्वाद थे, और वास्तव में उन्हें नए नियम के संस्कारों के बिना भी लाभ मिला।

उनके पास खतना और फसह था, लेकिन वह भी उसका मुद्दा नहीं है। उनके पास आध्यात्मिक वास्तविकताएँ थीं, और जब उन्होंने उन चार तरीकों से पाप किया तो यह उन्हें परमेश्वर के न्याय से पीड़ित होने से नहीं रोक सका। इसलिए, आप सावधान रहें।

चीजों को हल्के में न लें - श्लोक 11. हमें एक लाभ मिला है जो उन्हें नहीं मिला क्योंकि उनका इतिहास हमारे लिए लिखा गया है, और हमें उनके बुरे उदाहरण से लाभ उठाना है।

कुछ ऐसा ही। 1 कुरिन्थियों 10:11 . अब, उस न्याय के बारे में बात करने के बाद जो प्रभु ने उन्हें दिया, उदाहरण के लिए, साँपों द्वारा विनाश।

अब, ये बातें, 1 कुरिन्थियों 10:11, उन पर उदाहरण के तौर पर घटित हुईं, लेकिन वे हमारी शिक्षा के लिए लिखी गईं। और यहाँ वह नए नियम के विश्वासियों का वर्णन इस प्रकार करता है। जिन पर युगों का अंत आ गया है।

यह अभी नहीं है। यह आने वाला युग नहीं है, क्षमा करें। यह युग निश्चित रूप से युगों का अंत है, इस अंश में, परमेश्वर के पुराने नियम के लोगों के दृष्टिकोण से।

वह इसी बारे में बात कर रहा है। खास तौर पर, जंगल में रहने वाले इस्राएली, जो बड़बड़ाते थे, यौन अनैतिकता में लिप्त थे, परमेश्वर की परीक्षा लेते थे, और खास तौर पर, मूर्तिपूजक थे। तो क्या आपको नहीं लगता कि प्रभु का भोज आपको भी इस तरह से प्रतिरक्षा प्रदान करता है?

प्रभु के लिए जियें। ईश्वर की कृपा का जवाब विश्वास और ऐसे जीवन से दें जो ईश्वर को प्रसन्न करें। यहाँ इस तरह की बातें हो रही हैं।

इसलिए, पद 12, जो कोई सोचता है कि वह स्थिर है, वह सावधान रहे, कहीं ऐसा न हो कि वह गिर पड़े, और वह आगे बढ़ता रहे। इसलिए, एक अर्थ में, यही वह कहता है, कि पूर्णता, युगों का अंत, पुराने नियम के दृष्टिकोण से इस युग में आ चुका है। इब्रानियों 1:2, पुराने नियम में अंतिम दिनों की अभिव्यक्ति का उपयोग किया गया है, कभी-कभी भविष्य के बारे में बात करने के लिए।

बहुत पहले, इब्रानियों 1:1, कई बार, और कई तरीकों से, परमेश्वर ने हमारे पूर्वजों से भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बात की। अब, इब्रानियों के लेखक ने अंतिम दिनों की अभिव्यक्ति का उपयोग किया है, लेकिन वह इसमें एक छोटा सर्वनाम और एक छोटा सर्वनाम वर्णनकर्ता जोड़ता है। लेकिन इन अंतिम दिनों में, क्या? अंतिम दिन आ गए हैं।

उसने अपने बेटे के ज़रिए हमसे बात की है। 1 कुरिन्थियों 10:11, इब्रानियों 1:2, इब्रानियों 9:26। एक बार फिर, एक संदर्भ में, इब्रानियों की पूरी किताब एक संदर्भ है, ऐतिहासिक रूप से मुक्तिदायक संदर्भ, नए नियम के विपरीत और पुराने नियम की तुलना में इसकी श्रेष्ठता का।

वह यीशु को यीशु, याजकत्व और बलिदान की श्रेष्ठता दिखा रहा है। इब्रानियों 9:25, न ही उसे बार-बार खुद को बलिदान करना था, जैसा कि महायाजक हर साल प्रायश्चित के दिन, अपने से इतर लहू के साथ पवित्र स्थानों में प्रवेश करता है। 9:26, क्योंकि तब उसे बार-बार दुख उठाना पड़ता जो मसीह को संसार की नींव रखने से लेकर अब तक सहना पड़ा।

लेकिन जैसा कि यह है, वह अपने बलिदान के द्वारा पाप को दूर करने के लिए युगों के अंत में एक बार और हमेशा के लिए प्रकट हुआ है। दो आयतों के बाद, वह दूसरी बार आने वाला है। तो यहाँ हमारे पास पुराने नियम का समय है, प्रायश्चित का दिन।

हमारे पास फिर से युगों का अंत है, वह अभिव्यक्ति, और हमारे पास दूसरा आगमन है। शब्दावली समान नहीं है, लेकिन हम समझते हैं कि क्या हो रहा है। और वास्तव में, यह विवादास्पद है, इब्रानियों 6 :5। इस महान, महान बाइबिल के सबसे प्रसिद्ध चेतावनी मार्ग के भीतर, हमारे पास यह अभिव्यक्ति है।

जो लोग पश्चाताप से दूर हो गए हैं, और यह उन्हें कई तरीकों से वर्णित करता है, उनके मामले में उन्हें पश्चाताप के लिए फिर से बहाल करना असंभव है, श्लोक 6। यह उन्हें कुछ आशीर्वाद के रूप में वर्णित करता है, और यहाँ आशीर्वाद हैं। उन्हें प्रबुद्ध किया गया है।

उन्होंने स्वर्गीय उपहार का स्वाद चखा है। वे पवित्र आत्मा में भागीदार हैं। उन्होंने परमेश्वर के वचन की अच्छाई का स्वाद चखा है, और उन्होंने आने वाले युग की शक्तियों का स्वाद चखा है।

एक मिनट रुकिए। अब, उन्होंने आने वाले युग की शक्तियों का स्वाद चख लिया है। इसका क्या मतलब है? जॉर्ज लैड ने इंजील एस्केटोलॉजी के लिए उतना ही काम किया जितना किसी और ने किया।

राज्य और अन्य विषयों पर बहुत बढ़िया किताबें हैं, लेकिन मैं इस विशेष बिंदु पर उनका अनुसरण नहीं करता। इस पर बहस है। क्या इसका मतलब यह है कि भविष्य किसी रहस्यमय तरीके से वर्तमान बन जाता है? उन्होंने उस विचार को लोकप्रिय बनाया, और यह वास्तव में लोकप्रिय हो गया और इसी तरह।

मैं सहमत नहीं हूँ। मैं डेविड लॉयड जोन्स का अनुसरण करना पसंद करूँगा। वह वास्तव में मेरे गुरु नहीं थे, लेकिन वह एक वरिष्ठ धर्मशास्त्री थे, और मैं निश्चित रूप से उन्हें किसी तरह से अपना गुरु कहने में खुश था। निश्चित रूप से, मेरे सहकर्मी, एक पुराने सहकर्मी जिनसे मैंने बहुत कुछ सीखा, और वास्तव में, आखिरी चीजों पर मेरे नोट्स पहले उनके नोट्स थे जिन्हें मैंने विकसित किया था।

किसी भी मामले में, भविष्य के वर्तमान में प्रवेश करने की किसी अजीब धारणा के बजाय, समय खुद को इस तरह कैसे उलट सकता है? बल्कि, मुझे लगता है कि यह नए नियम की आम धारणा है कि वर्तमान भविष्य का अग्रदूत है। यानी, इन कथित हिब्रू ईसाइयों का अनुभव इस युग में था, लेकिन यह आने वाले युग की भावना के माध्यम से प्रत्याशा में था। किसी भी मामले में, दो-युग धर्मशास्त्र नए नियम के युगांतशास्त्र के लिए आधारभूत है।

आप पाएंगे कि जब हम सहस्राब्दि तक पहुंचेंगे, तो मैं बहुत दयालु और खुला हूँ और वास्तव में स्वीकार करता हूँ कि सभी चार दृष्टिकोण, सहस्राब्दिवाद, उत्तरसहस्राब्दिवाद, और ऐतिहासिक और युगानुकूल पूर्वसहस्राब्दिवाद, में सबसे महत्वपूर्ण चीजें समान हैं, ठीक है? और फिर मैं मतभेदों को साझा करता हूँ, और फिर मैं एक अच्छे आदमी, स्टेन ग्रेंज, सहस्राब्दि भूलभुलैया,

द्वारा लिखी गई एक अच्छी किताब का अनुसरण करता हूँ, जो कहता है, व्याख्या तय है। टेबल सेट है। इंजीलवादी सहमत नहीं होने जा रहे हैं, लेकिन मैं कहता हूँ, मैं सहमत हूँ, लेकिन मेरे पास चार सत्य हैं जो उन सभी में समान हैं।

दूसरा आगमन, पुनरुत्थान, अंतिम न्याय, अनंत नियति। ये सबसे महत्वपूर्ण बातें हैं। मेरे पास सहस्राब्दी के बारे में एक दृष्टिकोण है, लेकिन मैं इसे उन चीजों के समान स्तर पर नहीं रखता।

और दूसरा, वे कहते हैं, उन चारों दृष्टिकोणों में सत्य निहित है। मैं सहमत हूँ। हम धर्मशास्त्र को व्याख्या से अलग करते हैं।

इसलिए, हालाँकि मैं प्रकाशितवाक्य 20 या पूरे नए नियम की पोस्टमिलेनियल व्याख्या से सहमत नहीं हूँ, लेकिन मुझे सुसमाचार के लिए उनका आशावाद पसंद है, बस एक उदाहरण देने के लिए। मैं इसका उल्लेख इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि होकेमा ने अपनी पुस्तक, द बाइबल इन द प्यूचर में, वास्तव में अंतिम चीजों के लिए एक मानक बन गया है। वह एक सहस्राब्दि है। उसके पास प्रीमिलेनियलिज्म पर एक अध्याय है, और वह अपने डिस्पेंसेशनल भाइयों के लिए बहुत प्रशंसा दिखाता है, और इसी तरह। लेकिन वह प्रीमिलेनियल सहस्राब्दि के बारे में गंभीर सवाल उठाता है।

यहाँ उनकी एक समस्या है। ऐसा लगता है कि यह न तो इस युग से संबंधित है और न ही आने वाले युग से। इसमें नश्वर लोग हैं, जो मर जाते हैं, पुनर्जीवित लोगों के साथ मिश्रित होते हैं।

नश्वर लोग इसी युग के हैं। पुनर्जीवित लोग आने वाले युग के हैं। मैं सभी दृष्टिकोणों की समस्याओं को साझा करूँगा, और मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात समानताएँ हैं और, तीसरा, उनमें से प्रत्येक की ताकतें।

और प्रीमिलेनियलिज्म में निश्चित रूप से ताकत है। शायद उनमें से सबसे प्रमुख है प्रकाशितवाक्य 20, एक से छह की सबसे स्वाभाविक व्याख्या। इसलिए, नए नियम के समय में विश्वास करने वाले, और आज भी, आने वाले युग की शक्तियों का स्वाद चखते हैं।

मुझे लगता है कि वे ऐसा इस उम्मीद में करते हैं कि आत्मा उनके जीवन में और उनके बीच काम करेगी - तीन परिचयात्मक विचार। पहला है दो युग।

दूसरा है ईश्वर का राज्य। ईश्वर का राज्य एक नए नियम की अवधारणा है, लेकिन इसकी जड़ें पुराने नियम में गहरी हैं। मेरे पास नोट्स हैं, लेकिन मैं इसे नोट्स के बिना भी कर सकता हूँ, कम से कम एक बुनियादी सिद्धांत में।

पुराने नियम में परमेश्वर राजा है। हे भगवान। भजन 103।

प्रभु ने स्वर्ग में अपना सिंहासन स्थापित किया है, और उसका राज्य सभी पर शासन करता है। भजन 103 के संदर्भ में, यह मनुष्यों पर राज्य है, विशेष रूप से उसके वाचा के लोगों और

स्वर्गदूतों पर, उस पद का अनुसरण करने वाले उसके लोग, स्वर्गदूत, उस पद से पहले के उसके लोग, उस पद का अनुसरण करने वाले स्वर्गदूत। भजन 103 और पद 20।

प्रभु ने स्वर्ग में अपना सिंहासन स्थापित किया है, और उसका राज्य सब पर शासन करता है। प्रभु को धन्य कहो, हे तुम, उसके स्वर्गदूतों, तुम शक्तिशाली लोग जो उसके वचन को पूरा करते हो और इसी तरह, पूर्ववर्ती विश्वासी, मनुष्य, विश्वासी उसके राज्य का हिस्सा हैं, निम्नलिखित छंद, स्वर्गदूत उसके राज्य का हिस्सा हैं। पुराने नियम में इससे भी बड़ा अर्थ है कि परमेश्वर पूरे ब्रह्मांड का प्रभु है।

और फिर वह मनुष्यों और स्वर्गदूतों पर प्रभु है। और फिर वह मानवजाति पर प्रभु है। और फिर उसके पास अपने लोगों, इस्राएल पर एक विशेष राज्य है, जो 2 शमूएल 7 में सबसे अधिक स्पष्ट है, और दाऊद की वाचा की संस्था है जहाँ परमेश्वर सुलैमान और उसके उत्तराधिकारियों के माध्यम से शासन करता है जैसे एक पिता अपने बेटों से संबंधित होता है।

तो, निश्चित रूप से पुराने नियम की एक बड़ी पृष्ठभूमि है। वाल्टके परमेश्वर के सामान्य राज्य और परमेश्वर के लोगों पर उसके विशेष राज्य के बारे में बात करते हैं। इसे नए नियम में जारी रखा गया है और विस्तारित किया गया है।

और यीशु अपने सार्वजनिक मंत्रालय में राज्य का उद्घाटन करते हैं। वास्तव में, इसमें चरण, अवस्थाएँ हैं। यीशु अपने सार्वजनिक मंत्रालय में राज्य का उद्घाटन करते हैं।

राज्य का विस्तार तब होता है जब यीशु परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठता है। राज्य केवल दूसरे आगमन, उद्घाटन, विस्तार, पूर्णता, सार्वजनिक मंत्रालय, सत्र और मसीह की वापसी पर ही पूर्ण होगा। पुराने नियम की समृद्ध पृष्ठभूमि वाले परमेश्वर के राज्य का उद्घाटन, जिसे मैंने मुश्किल से छुआ है, यीशु के सार्वजनिक मंत्रालय में हुआ था।

मत्ती 12 में वापस आते हुए, यीशु परमेश्वर की आत्मा द्वारा दुष्टात्माओं को निकाल रहे हैं। और यहूदी नेता यह जानते हैं, और फिर भी वे यह कहकर ईशनिंदा करते हैं कि वह शैतान के द्वारा ऐसा कर रहे हैं। वे वास्तव में इस बात पर यीशु को भड़काते हैं।

और वह उन्हें दोनों बैरल से यह सब करने देता है। वह कहता है, इसे कभी माफ़ नहीं किया जाएगा। उन्होंने एक शाश्वत पाप किया है।

ओह, वह अन्य बातें भी कहता है, लेकिन वह कुछ दुष्टात्माओं को निकालता है, और वे कहते हैं कि यह बेलज़ेबूब द्वारा किया गया है। फिर से, शैतान के लिए एक और अंतर-नियम नाम। यह केवल बेलज़ेबुल, दुष्टात्माओं के राजकुमार द्वारा ही है, कि यह आदमी दुष्टात्माओं को निकालता है, मत्ती 12:24।

उनके मन की बात जानकर उसने उनसे कहा, शैतान शैतान को कैसे निकाल सकता है? 27, यदि मैं शैतान की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता हूँ, तो तुम्हारे पुत्र किस की सहायता से निकालते हैं? इसलिये वे ही तुम्हारा न्याय करेंगे। यहाँ पर यह बात है, मत्ती 12:28। परन्तु यदि मैं

परमेश्वर के आत्मा की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता हूँ, तो परमेश्वर का राज्य तुम्हारे पास आ पहुँचा है।

जॉन द बैपटिस्ट और यीशु दोनों पश्चात्ताप की घोषणा करते हैं, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट है। राज्य का उद्घाटन यीशु की शिक्षाओं, उनके उपचारों, उनके भूत-प्रेत भगाने में होता है। मैथ्यू कहते हैं कि परमेश्वर की आत्मा, ल्यूक कहते हैं कि परमेश्वर की उंगली है।

यह एक उल्लेखनीय रूपक है, है न? अगर मैं बेलज़ेबूब द्वारा दुष्टात्माओं को निकालता हूँ, अगर यह परमेश्वर की उंगली से है कि मैं दुष्टात्माओं को निकालता हूँ, तो परमेश्वर का राज्य तुम्हारे ऊपर आ गया है। परमेश्वर की आत्मा के लिए परमेश्वर की उंगली। ज़रूर, ज़रूर।

हम अपनी दुनिया को नियंत्रित करने के लिए अपने हाथों और उंगलियों का इस्तेमाल करते हैं। आपको बस एक उंगली पर हथौड़े से अच्छी तरह से प्रहार करना है, और आप उसे पहचान लेंगे। ओह, ओह।

आपको कभी एहसास ही नहीं होता कि आपने हर काम के लिए इसका इस्तेमाल किया है। इन अंकों की मदद से हम दुनिया को नियंत्रित करते हैं और हम पहले से कहीं ज़्यादा कंप्यूटर युग में जी रहे हैं। भगवान का शुक्र है, और हमारे सेल फोन का।

यीशु का मतलब ईश्वर की एजेंसी से है, ईश्वर की शक्ति से। फिरौन के जादूगर मूसा के कुछ संकेतों और विपत्तियों की नकल कर सकते हैं, लेकिन फिर एक विपत्ति आती है, और वे इसकी नकल नहीं कर सकते, और वे कहते हैं, यह ईश्वर का हाथ है। आह, जो भी फोड़े या जो भी हो, फोड़े उनके शरीर पर हैं।

अरे! हमारी जादुई कलाएँ इसे छू भी नहीं सकतीं। यह भगवान का काम है और यह भगवान का हाथ है।

हांफते हुए। वे मूसा के लिए गवाही दे रहे हैं। हाँ, क्योंकि वे दर्द में हैं, यही हो रहा है।

यीशु राज्य के दृष्टांतों को लाता है, मत्ती 13. वह राज्य के कार्य करता है। वह परमेश्वर का राज्य लाता है क्योंकि वह राजा है।

अब, यह एक आध्यात्मिक राज्य है, और इनमें से कुछ चीज़ें सिर्फ़ एक पूर्वानुभव हैं। पुनरुत्थान और चंगाई, लोग फिर से मरते हैं। लोग उसके बाद मरते हैं।

जिन लोगों को उसने जीवित किया, नैन के बेटे की विधवा, यार्डर की बेटी और लाजर, संभवतः फिर से मर गए। अगर वे अभी भी इस्राएल में जीवित होते तो वे वाकई बहुत बूढ़े होते। 2,000 साल पुराने।

मुझे ऐसा नहीं लगता। वे मर गए। लेकिन ये जीवन, मृतकों के पुनरुत्थान और नई पृथ्वी पर जीवन की छोटी-छोटी भविष्यवाणियाँ हैं।

यीशु ने राज्य को नयेपन और सामर्थ्य के साथ लाया, लेकिन आपने अभी तक कुछ भी नहीं देखा है। वह मरता है, वह जी उठता है, वह ऊपर उठता है, वह परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठता है, और हमारे पास इस तरह की गवाहियाँ हैं। प्रेरितों के काम 5:31.

उन्हें बताया गया, सैन्हेद्रिन ने कहा, यीशु के बारे में बात करना बंद करो। पतरस का उत्तर, श्लोक 29, हमें मनुष्यों की अपेक्षा परमेश्वर की आज्ञा माननी चाहिए। हमारे पूर्वजों के परमेश्वर ने यीशु को जिलाया, जिसे तुमने पेड़ पर लटकाकर मार डाला।

परमेश्वर ने उसे अपने दाहिने हाथ पर नेता और उद्धारकर्ता के रूप में ऊंचा किया, और वह अभी भी इस्राएल को पश्चाताप और पापों की क्षमा देने में सक्रिय है। वास्तव में, हॉवर्ड मार्शल एक इतिहासकार और धर्मशास्त्री के रूप में ल्यूक पर अपनी पुस्तक प्रेरितों के काम में सही हैं। हे थियोफिलस, मैंने पहली पुस्तक में उन सभी बातों पर चर्चा की है जो यीशु ने उस दिन तक करना और सिखाना शुरू किया जब तक कि वह पवित्र आत्मा के माध्यम से अपने चुने हुए प्रेरितों को आज्ञा देने के बाद ऊपर नहीं उठा लिया गया।

लूका के सुसमाचार में, लूका उन सभी बातों के बारे में लिखता है जो यीशु ने शुरू की और सिखाईं। प्रेरितों के काम की पुस्तक में, निहितार्थ यह है कि लूका उन बातों के बारे में लिखता है जो यीशु ने करना और सिखाना जारी रखा। आप देखिए, राज्य का विस्तार हुआ।

यीशु परमेश्वर के दाहिने हाथ पर है, जो उन सभी को पश्चाताप और क्षमा के दिव्य उपहार प्रदान करता है, जो विश्वास करते हैं, प्रेरितों के काम 5:31। इफिसियों 1:19 से 23, मैंने कहा कि विभिन्न सहस्राब्दि दृष्टिकोणों में सत्य निहित है। यदि प्रकाशितवाक्य 20 की सहस्राब्दि व्याख्या गलत है, तो उनका धर्मशास्त्र कि यीशु अब शासन करता है, गलत नहीं है।

यह सही धर्मशास्त्र और गलत व्याख्या का उदाहरण होगा यदि यह गलत है। इफिसियों 1, 19 और उसके बाद, पौलुस चाहता है कि इफिसियों को परमेश्वर की सामर्थ्य की अथाह महानता का पता चले जो हम विश्वासियों के प्रति है, उसकी सामर्थ्य के कार्य के अनुसार, जो उसने मसीह में काम किया जब उसने उसे मृतकों में से उठाया और उसे स्वर्गीय स्थानों में अपने दाहिने हाथ पर बैठाया, सभी नियमों और अधिकारों और शक्ति और प्रभुत्व से ऊपर और हर एक नाम से ऊपर जो न केवल इस युग में बल्कि आने वाले युग में भी नामित किया गया है। और उसने सब कुछ उसके पैरों के नीचे कर दिया और उसे सब चीजों पर अपना मुखिया चर्च को दे दिया।

यीशु अब राज करता है। वह सभी नियमों, अधिकारों, शक्ति और प्रभुत्व से ऊपर है। और यहाँ फिर से यह भाषा है, और हर नाम से ऊपर है, जो न केवल इस युग में, बल्कि आने वाले युग में भी नामित किया गया है।

यहाँ दो युगों की तुलना की गई है, जो यीशु के वर्तमान शाही पद को दर्शाते हैं। ओह, वह भविष्य में बाहरी रूप से और अधिक सार्वभौमिक रूप से शासन करने जा रहा है, लेकिन वह पहले से ही आध्यात्मिक रूप से शासन कर रहा है। इसलिए, यदि यह अमिलेनियलिज्म की शिक्षा है, तो यह बाइबल की शिक्षा है, चाहे प्रकाशितवाक्य 20 की व्याख्या कुछ भी हो।

कुलुस्सियों 1:13 और 14 पौलुस के असामान्य उपयोग का एक अवसर है। सुसमाचारों में भाषा का बहुत अधिक उपयोग किया गया है, परमेश्वर का राज्य, स्वर्ग का राज्य। कुलुस्सियों 1:13, 14, पिता ने हमें अंधकार के क्षेत्र से छुड़ाया है और हमें अपने प्रिय पुत्र के राज्य में स्थानांतरित किया है, जिसमें हमें छुटकारा, अर्थात् पापों की क्षमा प्राप्त होती है।

यीशु राज्य का उद्घाटन करते हैं जब वे राज्य के दृष्टांतों का प्रचार करते हैं, जब वे चमत्कार करते हैं, और जब वे दुष्टात्माओं को बाहर निकालते हैं। परमेश्वर का राज्य आपके ऊपर आ गया है। यह परमेश्वर का शासन और शासन है।

हाँ, यह पुराने नियम में मौजूद था, लेकिन अब राजा दृश्य पर है। राज्य परमेश्वर राज्य का विस्तार करता है। मुझे लगता है, विशेष रूप से पवित्र आत्मा राज्य का विस्तार करता है क्योंकि यीशु न केवल ऊपर चढ़ता है, बल्कि बैठता है, परमेश्वर के सिंहासन को साझा करता है, यदि आप चाहें तो।

राज्य तभी पूर्ण होगा जब राजा फिर से आएगा। मत्ती 25:31 और उसके बाद भेड़ों और बकरियों का मार्ग दिया गया है। जब मनुष्य का पुत्र अपनी महिमा में आएगा, तो ध्यान दें कि उसे कैसे चित्रित किया गया है, और उसके साथ उसके सभी स्वर्गदूत, उसके साथ स्वर्गदूत, तब वह अपने गौरवशाली सिंहासन पर बैठेगा।

यह राजा यीशु है। सभी राष्ट्र उसके सामने इकट्ठे होंगे। यह राजा यीशु है जो सार्वभौमिक रूप से शासन कर रहा है, और वह लोगों को एक दूसरे से अलग करेगा जैसे एक चरवाहा भेड़ों को बकरियों से अलग करता है।

भेड़ें दाईं ओर हैं, बकरियाँ बाईं ओर हैं। वह अपने दाईं ओर वालों से कहता है, आओ, तुम जो मेरे पिता के धन्य हो, उस राज्य के अधिकारी हो जो जगत की उत्पत्ति से तुम्हारे लिए तैयार किया गया है। वह बकरियों को अपनी उपस्थिति से बाहर निकाल कर शैतान और उसके स्वर्गदूतों के लिए तैयार की गई अनन्त आग में डाल देता है, श्लोक 41।

राज्य केवल तभी पूर्ण होगा जब यीशु वापस आएगा। 1 कुरिन्थियों 15:22 से 28। क्योंकि जैसे आदम में सब मरते हैं, वैसे ही मसीह में भी सब जिलाए जाएँगे, परन्तु हर एक अपनी अपनी बारी से।

मसीह, प्रथम फल, फिर उसके आने पर, जो मसीह के हैं, वे समाप्त हो जाते हैं जब वह हर नियम और हर अधिकार और शक्ति को नष्ट करने के बाद, परमेश्वर, पिता को राज्य सौंपता है, क्योंकि उसे तब तक शासन करना चाहिए जब तक वह अपने सभी शत्रुओं को अपने पैरों तले न कर दे। नष्ट किया जाने वाला अंतिम शत्रु मृत्यु है।

क्योंकि परमेश्वर ने सब कुछ अपने पैरों के नीचे कर दिया है, लेकिन जब वह कहता है कि सब कुछ अधीन कर दिया गया है, तो यह स्पष्ट है कि वह, परमेश्वर, स्वीकार किया गया है, जिसने सब

कुछ अपने, अर्थात् पुत्र के अधीन कर दिया है। जब सब कुछ पुत्र के अधीन कर दिया जाता है, तो पुत्र भी उसके अधीन हो जाएगा। यह गलत है।

जब सब कुछ उसके अधीन हो जाएगा, अर्थात् पिता, तब पुत्र भी उसके अधीन हो जाएगा, अर्थात् पिता, जिसने सब कुछ उसके अधीन कर दिया है, ताकि सब में परमेश्वर ही सब कुछ हो। यीशु ने अपने सार्वजनिक मंत्रालय में राज्य का उद्घाटन किया। परमेश्वर के दाहिने हाथ पर उनके सत्र में इसका विस्तार हुआ।

यह केवल उसके लौटने पर ही पूर्ण होगा। नए नियम के युगांतशास्त्र को समझने में ये दो युग मौलिक हैं। राज्य के विभिन्न चरण भी बहुत महत्वपूर्ण हैं।

अत्यधिक रूप से समझी गई परलोक विद्या खतरनाक है। अंत अभी नहीं आया है। हाँ, परमेश्वर चंगा करता है, लेकिन हम उसका नाम लेकर उसका दावा नहीं कर सकते।

यह सच नहीं है कि अगर आपके पास पर्याप्त विश्वास है, तो आप ठीक हो जाएंगे। यह बिलकुल सच नहीं है क्योंकि, यहाँ तक कि तथाकथित उपचारक और वे जो कुछ भी करते हैं, वे सभी मरते हैं। मृत्यु इसी युग की है।

यीशु ने कहा कि मृत्यु का अभाव, जैसा कि हमने लूका के पहले अंशों में देखा, और अनन्त जीवन आने वाले युग से संबंधित है। दो युगों में राज्य के चरण महत्वपूर्ण हैं, लेकिन अंतिम चीजों के मूलभूत सिद्धांत के रूप में पहले से ही और अभी तक नहीं से अधिक महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है। इसका पहले से ही मतलब है कि पुराने नियम में किए गए वादे पूरे हो चुके हैं।

अभी तक नहीं का मतलब है कि उन्हें अभी भी पूर्णता में पूरा होना है। पहले से ही, यह एक रेखीय धारणा है। यह पुराने नियम से अब तक देखता है और पहले से ही कहता है।

और वैसे, यह बाइबल की भाषा है। 1 यूहन्ना 2, पहले से ही बहुत से मसीह-विरोधी दुनिया में जा चुके हैं। बच्चों, यह आखिरी घड़ी है।

अंतिम दिनों के बारे में भूल जाओ। नए नियम में यह पहले से ही अंतिम समय है। अंतिम दिन मसीह के आगमन के बीच का समय है।

यीशु अंतिम दिन लेकर आ रहे हैं। हाँ, अभी भी अंतिम दिन हैं, अगर आप कहें तो अभी तक नहीं, लेकिन यह सिर्फ भविष्य की अवधारणा नहीं है। यह अंतिम घड़ी है।

और जैसा कि आपने सुना है, मसीह विरोधी आ रहा है। तो अब बहुत से मसीह विरोधी आ चुके हैं। इसलिए, हम जानते हैं कि यह अंतिम घड़ी है।

यहाँ मेरा शोध है। न केवल पहले से ही और अभी तक नहीं का अर्थ पूरे नए नियम में है। वास्तव में, इसकी जड़ें पुराने नियम में भी हैं।

लेकिन अंतिम बातों की हर मुख्य विशेषता पहले से ही है और अभी तक नहीं है। मैंने अभी जो अंश पढ़ा है, वह मसीह विरोधी के बारे में बात करता है। मेरी समझ से, 2 थिस्सलुनीकियों 2 की तुलना में, अभी भी एक भविष्य का मसीह विरोधी व्यक्ति है।

यह आखिरी घड़ी है। जैसा कि आपने सुना, मसीह विरोधी आ रहा है। और मुझे लगता है कि यह अभी भी आना बाकी है।

तो अब, बहुत से मसीह-विरोधी आ गए हैं। और अभी तक एक भी मसीह-विरोधी नहीं आया है। पहले से ही बहुत से मसीह-विरोधी हैं।

वह आगे कहता है कि वे किस तरह पिता और पुत्र को अस्वीकार करते हैं। और वह उन्हें प्रोत्साहित करते हुए कहता है, तुम सत्य जानते हो। तुमने उन्हें अस्वीकार करके अच्छा किया।

उन्होंने तुम्हें अस्वीकार कर दिया, लेकिन उनके जाने से पता चला कि वे वास्तव में प्रभु के नहीं थे। अपना सिर ऊँचा रखो। आगे बढ़ो।

दृढ़ रहें। आपको आत्मा द्वारा सिखाया जाता है और इसी तरह की अन्य बातें भी। अंतिम बातों का हर मुख्य पहलू पहले से ही है और अभी तक नहीं है।

उद्धार, यूहन्ना अध्याय 3. आप कहते हैं कि उद्धार और दण्ड निश्चित रूप से अंतिम दिन के हैं। हाँ, वे तकनीकी अर्थ में हैं। और दोनों की पूर्णता केवल अंतिम दिन में ही प्रकट होगी।

सहमत हूँ। अभी तक ऐसा नहीं हुआ है। लेकिन यह देखिए।

यूहन्ना 3:6 के बाद, 3:17 कहता है, क्योंकि परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत में इसलिये नहीं भेजा कि जगत पर दण्ड की आज्ञा दे, परन्तु इसलिये कि जगत उसके द्वारा उद्धार पाए। जो कोई उस पर विश्वास करता है, उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होती। अब आप कहते हैं, एक मिनट रुकिए।

निंदा का संबंध अंतिम न्याय से है जब परमेश्वर लोगों को नरक में भेजता है। यह सच है। अंतिम औचित्य भी यही करता है।

वे दोषी नहीं हैं। जॉन कहते हैं कि वे अब दोषी नहीं हैं। और इसके अलावा, जो कोई भी विश्वास नहीं करता है वह दोषी है; वचन पहले से ही मौजूद है।

क्योंकि परमेश्वर के इकलौते पुत्र के नाम पर उस पर विश्वास नहीं किया जाता, इसलिए दण्ड वर्तमान और भविष्य दोनों में है। यह पहले से ही है और अभी तक नहीं है।

उद्धार, वर्तमान, निंदा नहीं। भविष्य। हम परमेश्वर की कृपा से उस अंतिम दिन मनुष्यों और स्वर्गदूतों के सामने न्यायसंगत ठहराए जाएँगे।

अंतिम बातों का हर मुख्य पहलू दोनों है। यह नए नियम में एक तनाव पैदा करता है जिसे देखना अद्भुत है - दूसरा आगमन।

यूहन्ना 14:3. मैं तुम्हारे लिए जगह तैयार करने जा रहा हूँ। मैं फिर आऊँगा। अभी नहीं।

मैं फिर आऊँगा और तुम्हें अपने पास ले जाऊँगा। मैं फिर आऊँगा। यह काले और सफेद रंग में है।

यीशु का कथन कि वह वापस आएगा। यूहन्ना 14:23. निश्चित रूप से यीशु भविष्य में भी वापस आ रहा है। यह अभी नहीं है।

लेकिन उसी अध्याय में भी, मैं इसे पहले से ही एक अर्थ में देखता हूँ। यदि कोई मुझसे प्रेम करता है, यूहन्ना 14:23, तो वह मेरी बात मानेगा, और मेरा पिता उससे प्रेम करेगा, और हम उसके पास आएँगे और उसके साथ वास करेंगे। परमेश्वर उन विश्वासियों के साथ संगति का वादा करता है जो पिता और पुत्र से प्रेम करते हैं और उनकी आज्ञा मानते हैं।

वे परमेश्वर को जानेंगे। यह अनन्त जीवन है, यूहन्ना 17:3, कि वे तुम्हें जानें, जो यीशु मसीह में एकमात्र सच्चा परमेश्वर है जिसे तुमने भेजा है। यह हमारी संगति है, 1 यूहन्ना 1 श्लोक 3 के आसपास। हमारी संगति पिता और उसके पुत्र, यीशु मसीह के साथ है।

ऐसा लगता है कि यीशु अपने लोगों के जीवन में अभी आ रहे हैं। ऐसा कहना और फिर अभी तक न आने की बात को नकारना गलत होगा। यह बेतुका है।

हर जगह, नया नियम कहता है कि वह फिर से आ रहा है। एक भावना यह है कि पिनोकेस्त के दिन यीशु पहले से ही आत्मा में आ रहा है। यह बात काम करती है।

लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि भविष्य में दूसरा आगमन होगा। मुक्ति और निंदा, दूसरा आगमन, मसीह विरोधी, और भी बहुत कुछ। पुनरुत्थान, यूहन्ना 5. पुनरुत्थान आध्यात्मिक और शारीरिक होता है।

आत्मिक अभी पुनर्जन्म में है, शारीरिक अभी शरीर के पुनरुत्थान में नहीं है। यूहन्ना 5:24, 25. यदि आप संदर्भ को अच्छी तरह नहीं समझते, तो आप सोचेंगे कि यह अंतिम दिन के बारे में बात कर रहा है।

मैं तुम से सच सच कहता हूँ, यूहन्ना 5:24, जो कोई मेरा वचन सुनकर मेरे भेजनेवाले पर विश्वास करता है, अनन्त जीवन उसका है। उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होती, परन्तु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है। मैं तुम से सच सच कहता हूँ, 5:25, वह घड़ी आ रही है, और अब आ गई है।

यह बात तो यूहन्ना में पहले से ही कही गई है। जब मरे हुए लोग परमेश्वर के पुत्र की आवाज़ सुनेंगे, और जो सुनेंगे वे जीवित हो जाएँगे। वह लाज़र के बारे में बात कर रहा है, है न? नहीं।

वह मृत्यु से जीवन की ओर बढ़ने वाली पिछली आयत के बारे में बात कर रहा है। इसका मतलब है कि पुनर्जन्म एक आध्यात्मिक पुनरुत्थान है, और यह पहले से ही अभी होता है। अहा, तो फिर कोई भविष्यवादी पुनरुत्थान नहीं है, है न? गलत।

28. इस बात पर अचम्भा मत करो, क्योंकि वह समय आता है जब जितने कब्रों में हैं, वे उसका शब्द, अर्थात् मनुष्य के पुत्र का शब्द सुनकर कब्रों से बाहर निकलेंगे।

जिन्होंने अच्छा किया है वे जीवन के पुनरुत्थान के लिए, जिन्होंने बुरा किया है वे न्याय के पुनरुत्थान के लिए। पुनरुत्थान भी, पहले से ही पुनर्जन्म में है और अभी तक शरीर के भौतिक पुनरुत्थान में नहीं है। नतीजतन, विश्वासी पहले से ही और अभी तक नहीं के बीच इस तनाव में रहते हैं।

रोमियों 8, हमारे नश्वर शरीर में पहले से ही पवित्र आत्मा है। हमारे पास आत्मा है, लेकिन हमारे शरीर नश्वर हैं। वे मरने वाले हैं।

हम शब्दों में विरोधाभास हैं। ओह, यह आपके नश्वर शरीर में पवित्र आत्मा के न होने से बेहतर है। आप उद्धार नहीं पा सकेंगे।

अगर आप चाहें तो आपके पास मौत और मौत दोनों ही होंगी। नहीं, हमारे पास मौत के बीच में जीवन है, ऐसा कहा जा सकता है। हम इस तनाव में रहते हैं, और इसके परिणामस्वरूप, हमें यथार्थवादी और आशावादी होना चाहिए।

मैंने एक बार एक उपदेशक को सुना था। मैं और अधिक विवरण नहीं दूंगा। मैं नहीं चाहता कि उसकी पहचान उजागर हो।

मुझे यकीन है कि वह एक अच्छा आदमी है। लेकिन उसने कहा कि यह एक धार्मिक महिला के अंतिम संस्कार का अवसर था, जिसे हम में से कई लोग जानते थे। मैं अंतिम संस्कार नहीं करता।

और पूरी सेवा जीत और इसी तरह की अन्य बातों के बारे में थी। शोक करने का कोई समय नहीं था। मृत्यु को दुश्मन के रूप में नहीं दिखाया गया था जैसा कि बाइबल में बताया गया है।

बस जीत, रोशनी, और इसी तरह की अन्य बातें। यह यथार्थवादी नहीं है। यह एक अतिशयोक्तिपूर्ण परलोक विद्या है।

मैं एक और ऐसी ही बात जानता हूँ, जो इसी तरह की थी। यह एक अच्छा बैप्टिस्ट उपदेशक है। और मैं उस आदमी को जानता था जो मर गया।

उनका बेटा और मेरा एक बेटा अच्छे दोस्त थे। मैं इस आदमी के साथ खेल के आयोजनों में बैठकर अपने बेटों को खेलते हुए देखता था। हम उनकी मृत्यु पर शोक मना रहे थे।

ओह, हम जानते थे कि वह प्रभु के साथ था, लेकिन उस सेवा में भी शोक मनाने का समय नहीं था। मुझे बेटे के लिए बुरा लगा क्योंकि जब उसे और उसकी बहन को उठकर सभी लोगों के सामने वापस गलियारे में चलना था, तो लड़के को मुक्ति की आवश्यकता थी। और उसे मुक्ति मिल गई।

मुझे लगा कि यह नियोग्रा फॉल्स है। वह बस रो पड़ा। उसकी आँखों से पानी बह निकला।

यह उल्लेखनीय था। उसे उस रिहाई की ज़रूरत थी, जो उसे नहीं दी गई। अभी तक उसमें कोई 'नहीं' नहीं था।

हाँ, वह प्रभु के साथ था, और इस बात पर आनन्दित होना चाहिए। हाँ, इस अर्थ में, मृत्यु पर विजय प्राप्त हुई है। लेकिन नहीं, वहाँ एक शरीर है।

और यह दुखद है क्योंकि मृत्यु ही अंतिम शत्रु है। 1 कुरिन्थियों 15:26, जैसा कि हमने देखा। और इस पर अभी तक पूरी तरह से विजय नहीं पाई है।

तो, अंतिम संस्कार में शोक मनाने का भी एक समय होना चाहिए। सिर्फ शोक मनाना? बेशक, सिर्फ शोक मनाना ही नहीं। ईसाई अंतिम संस्कार में कड़वाहट और मिठास दोनों होती है।

मैं कड़वेपन पर ज़ोर नहीं दे रहा हूँ। मैं सिर्फ इतना कह रहा हूँ कि यह एक हिस्सा होना चाहिए, आपको कहना चाहिए। और हमें अपने प्यारे भाई की याद आती है।

हमें दुख है कि उसने अपनी पत्नी और बच्चों को छोड़ दिया। और हम उससे प्यार करते थे और उसका आनंद लेते थे। और अभी उसके लिए यह अच्छा है।

लेकिन हम थोड़े उलझन में हैं। बस इतना ही काफी है। बेशक, आप भगवान की स्तुति करते हैं और आप, और आप भगवान के साथ होने पर खुशी मनाते हैं।

और आप भविष्य और अभी तक नहीं और पुनरुत्थान और इसी तरह की अन्य चीजों को देखते हैं। लेकिन हे भगवान, यह विकृत है। इसके बजाय, एक ईसाई अंतिम संस्कार कड़वा होना चाहिए।

परमेश्वर के पहले से ही पूरे हो चुके और अभी तक पूरे न होने वाले वादों के बीच तनाव में रहते हैं।

परिणामस्वरूप, हम यथार्थवादी हैं। हम मृत्यु को उपमा नहीं देते। हम मृत्यु को नकारते नहीं।

ओह, मृत्यु स्वाभाविक है। मृत्यु स्वाभाविक नहीं है। मृत्यु अप्राकृतिक है, जैसा कि हम इस श्रृंखला के अपने अगले व्याख्यान में देखेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा चर्च के सिद्धांतों और अंतिम बातों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 11 है, अंतिम बातें परिचय, दो युग, परमेश्वर का राज्य, पहले से ही और अभी तक नहीं।